



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 19 अगस्त, 2026

जारी करने का समय: 1410 घंटे

विषय: (i) उत्तरी झारखंड और उससे सटे दक्षिण-पश्चिम बिहार और दक्षिण-पूर्व उत्तर प्रदेश के ऊपर बने अवदाब के असर से; 19 अगस्त, 2026 को पूर्वी उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश और बिहार व झारखंड में भारी बारिश होने की संभावना है, साथ ही पूर्वी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं बहुत ज़्यादा भारी बारिश भी हो सकती है।

(ii) आज, 19 जुलाई, 2026 को पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में भी कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

आज, 19 अगस्त, 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों में हुआ मौसम:

- ❖ छत्तीसगढ़ में बहुत ज़्यादा बारिश (≥ 21 cm) दर्ज की गई है।
- ❖ हिमाचल प्रदेश, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और पूर्वी मध्य प्रदेश में बहुत भारी बारिश (12-20 cm) दर्ज की गई है।
- ❖ उत्तराखंड, मध्य महाराष्ट्र, बिहार, जम्मू-कश्मीर और असम में भारी बारिश (7-11 cm) दर्ज की गई है।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुबंध I और II):

- ❖ समुद्र तल पर मॉनसून ट्रफ़ का पश्चिमी सिरा अपनी सामान्य स्थिति के उत्तर में है और पूर्वी सिरा अपनी सामान्य स्थिति के पास है।
- ❖ कल उत्तरी झारखंड और उससे सटे दक्षिण-पश्चिम बिहार के ऊपर बना अवदाब पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ा और आज, 19 अगस्त 2026 को सुबह 08:30 बजे IST पर उत्तरी झारखंड और उससे सटे दक्षिण-पश्चिम बिहार और दक्षिण-पूर्व उत्तर प्रदेश के ऊपर केंद्रित था। इसके झारखंड, दक्षिण-पूर्व उत्तर प्रदेश और उत्तरी छत्तीसगढ़ से होते हुए पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और अगले 12 घंटों के दौरान एक सुस्पष्ट दबाव क्षेत्र में कमजोर होने की बहुत संभावना है।
- ❖ निचले वायुमंडल में उत्तरी उत्तर प्रदेश के मध्य भागों से लेकर उत्तरी झारखंड और उससे सटे दक्षिण-पश्चिम बिहार और दक्षिण-पूर्व उत्तर प्रदेश के ऊपर बने अवदाब से जुड़े चक्रवाती परिसंचरण तक एक ट्रफ़ बनी हुई है।
- ❖ पंजाब और आसपास के इलाकों में ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है और अब यह समुद्र तल से 5.8 किमी ऊपर दिखाई दे रहा है, जिसके अक्ष पर 7.6 किमी की ऊंचाई पर एक ट्रफ़ है जो लगभग 72°E देशांतर के साथ 30°N अक्षांश के उत्तर की ओर जाती है।
- ❖ निचले वायुमंडल में उत्तर-पूर्वी राजस्थान और आसपास के इलाकों में ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ❖ अब यह ट्रफ़ निचले वायुमंडल में उत्तरी झारखंड और उससे सटे दक्षिण-पश्चिम बिहार और दक्षिण-पूर्व उत्तर प्रदेश के ऊपर बने अवदाब से जुड़े चक्रवाती परिसंचरण से मध्य प्रदेश होते हुए दक्षिण गुजरात क्षेत्र तक जाती है।
- ❖ निचले वायुमंडल में मध्य असम और आसपास के इलाकों में ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।

ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ 19-22 अगस्त के दौरान हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में; और 19-25 अगस्त के दौरान उत्तराखंड में काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।

- ❖ 19-20 अगस्त और 23 अगस्त को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; और 22-25 अगस्त के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 23-25 अगस्त के दौरान हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- ❖ उत्तर-पश्चिम भारत के बाकी हिस्सों में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 19-23 अगस्त के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में; और 19-25 अगस्त के दौरान उत्तराखंड में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 20-21 अगस्त के दौरान हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में; 20-25 अगस्त के दौरान उत्तराखंड में; 19 अगस्त को हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में; 21 अगस्त को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 20-22 अगस्त के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 19 अगस्त को पूर्वी उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद और उत्तराखंड में; और 19-20 अगस्त के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

मध्य भारत:

- ❖ 19 अगस्त और 24-25 अगस्त को पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 20-22 अगस्त और 24-25 अगस्त के दौरान विदर्भ में; 21-22 अगस्त के दौरान छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 20-23 अगस्त के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 19-25 अगस्त के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश में काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है। विदर्भ में 19 और 23 अगस्त को; छत्तीसगढ़ में 19-20 अगस्त और 23-25 अगस्त के दौरान।
- ❖ छत्तीसगढ़ में 19-23 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश में 19 और 20-21 अगस्त और 23-24 अगस्त के दौरान; पूर्वी मध्य प्रदेश में 23-25 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना है। साथ ही, पश्चिमी मध्य प्रदेश में 22 अगस्त को; पूर्वी मध्य प्रदेश में 19-22 अगस्त के दौरान; छत्तीसगढ़ में 19-21 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश की भी संभावना है।
- ❖ 19 अगस्त को पूर्वी मध्य प्रदेश में कुछ जगहों पर बहुत ज़्यादा बारिश होने की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 19-25 अगस्त के दौरान; झारखंड में 19 अगस्त और 22-25 अगस्त के दौरान; बिहार में 21-23 अगस्त के दौरान; ओडिशा में 21-25 अगस्त के दौरान काफी बड़े इलाके में या लगभग सभी जगहों पर बारिश की संभावना है।
- ❖ झारखंड में 20-21 अगस्त के दौरान; बिहार में 19-20 अगस्त और 24-25 अगस्त के दौरान; ओडिशा में 19-20 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश की संभावना है।
- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 19-25 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाओं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) की संभावना है। साथ ही, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 19-21 अगस्त के दौरान; झारखंड में 19-23 अगस्त के दौरान; बिहार में 19-25 अगस्त के दौरान; ओडिशा में 21-23 अगस्त के दौरान तेज हवाओं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) की संभावना है।
- ❖ 19-21 अगस्त और 24-25 अगस्त के दौरान सब-हिमालयन पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 23-24 अगस्त के दौरान गांगेय पश्चिम बंगाल में; 19 अगस्त को झारखंड में; 19 अगस्त और 21-23 अगस्त के दौरान बिहार में; और 21-25 अगस्त के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 22 अगस्त को बिहार में मध्यम से लेकर तेज़ बिजली कड़कने की गतिविधि हो सकती है।

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ 19-22 अगस्त के दौरान अरुणाचल प्रदेश; 19-22 अगस्त और 25 अगस्त को असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में काफी बड़े इलाके से लेकर पूरे इलाके में बारिश होने की संभावना है।

- ❖ 23-25 अगस्त के दौरान अरुणाचल प्रदेश; 23-24 अगस्त के दौरान असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 19-22 अगस्त के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कुछ जगहों पर आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 19-25 अगस्त के दौरान अरुणाचल प्रदेश और असम और मेघालय; 19-24 अगस्त के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कुछ जगहों पर भारी बारिश होने की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- ❖ 19-25 अगस्त के दौरान कोंकण और गोवा; 19-20 अगस्त के दौरान मध्य महाराष्ट्र; 20 अगस्त को मराठवाड़ा में काफी बड़े इलाके से लेकर पूरे इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 21-25 अगस्त के दौरान मध्य महाराष्ट्र; 19 अगस्त और 21-25 अगस्त के दौरान मराठवाड़ा; 19-25 अगस्त के दौरान गुजरात क्षेत्र और सौराष्ट्र और कच्छ में कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 19-20 अगस्त के दौरान मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में कुछ जगहों पर आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 19-25 अगस्त के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, रायलसीमा, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और तेलंगाना; 21-22 अगस्त के दौरान केरल और माहे और लक्षद्वीप में कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 19-20 अगस्त और 23-25 अगस्त के दौरान केरल और माहे और लक्षद्वीप; 19-25 अगस्त के दौरान तटीय कर्नाटक में काफी बड़े इलाके से लेकर पूरे इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 19-20 अगस्त के दौरान उत्तरी अंदरूनी कर्नाटक में; 19-23 अगस्त के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और रायलसीमा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (रफ़्तार 40-50 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है। साथ ही, 19-20 अगस्त के दौरान तटीय कर्नाटक, केरल और माहे, दक्षिणी अंदरूनी कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और तेलंगाना में तेज़ हवाएं (रफ़्तार 30-40 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 19 अगस्त को तटीय कर्नाटक, केरल और माहे तथा तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 19-20 अगस्त के दौरान तटीय कर्नाटक, उत्तरी अंदरूनी कर्नाटक और दक्षिणी अंदरूनी कर्नाटक में; और 19-23 अगस्त के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और रायलसीमा में ज़मीन के पास तेज़ हवाएं चलने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- ❖ अरब सागर: सोमालिया और ओमान के तट के साथ और उससे दूर, पश्चिम-मध्य अरब सागर के ज्यादातर हिस्सों और दक्षिण-पश्चिम से सटे पूर्व-मध्य अरब सागर के कुछ हिस्सों में 24 अगस्त तक; उत्तर-पश्चिम से सटे उत्तर-पूर्व के कुछ हिस्सों में 19 से 22 अगस्त के दौरान; और उत्तर-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्सों में 22 से 24 अगस्त के दौरान।
- ❖ बंगाल की खाड़ी: मन्नार की खाड़ी से सटे कोमोरिन इलाके और दक्षिण श्रीलंका तट से सटे दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में 24 अगस्त तक; और अंडमान सागर में 23 अगस्त तक।

अगले 4 दिनों के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

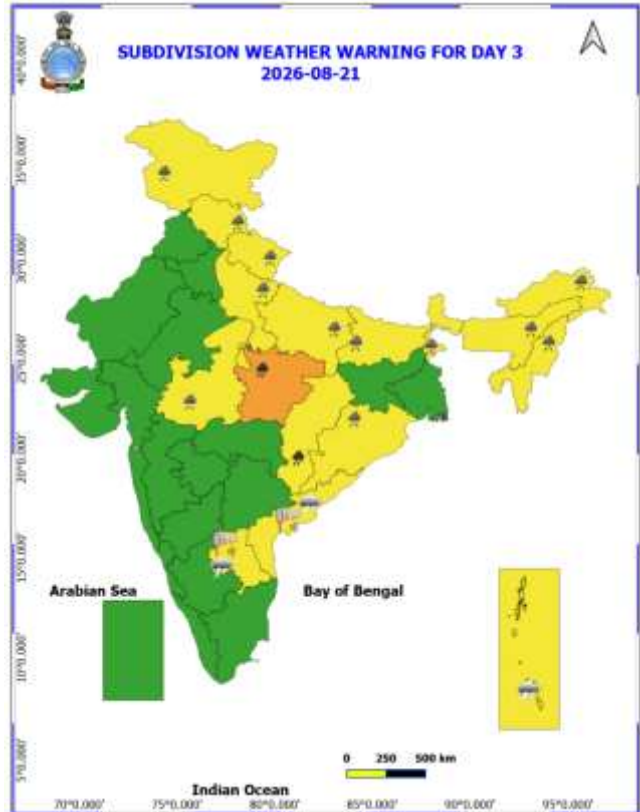
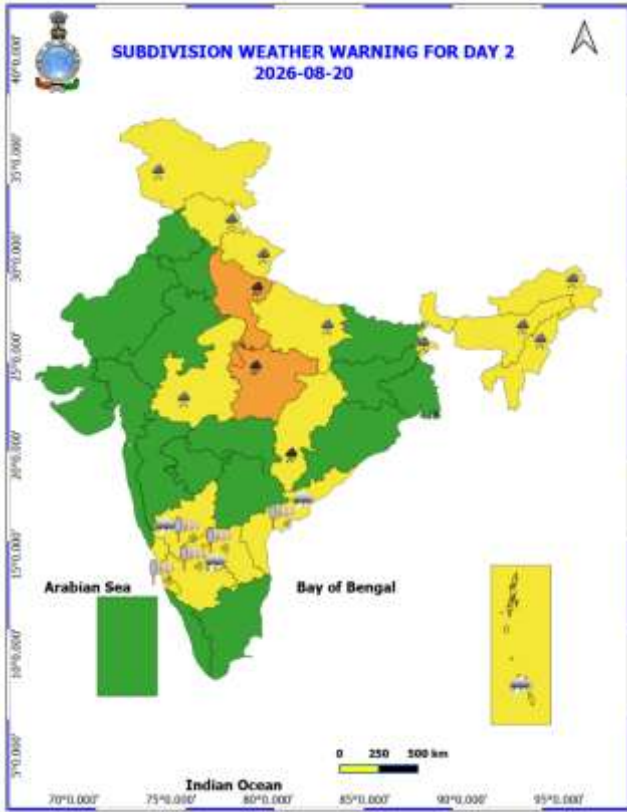
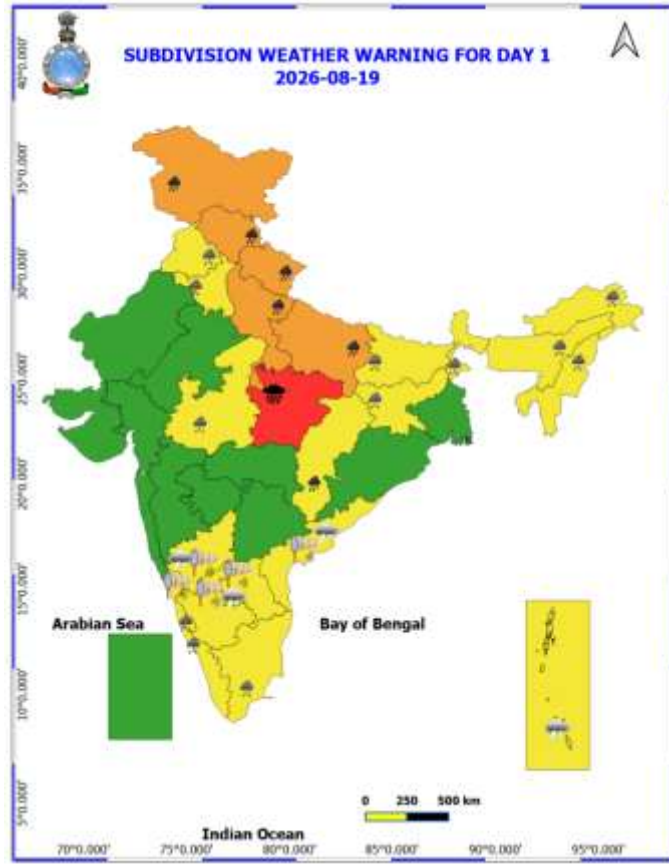
सबसे ज़्यादा बारिश (≥ 7 सेमी) (कल सुबह 08:30 IST से आज सुबह 08:30 IST तक अलग-अलग मौसम संबंधी उप-मंडल में):

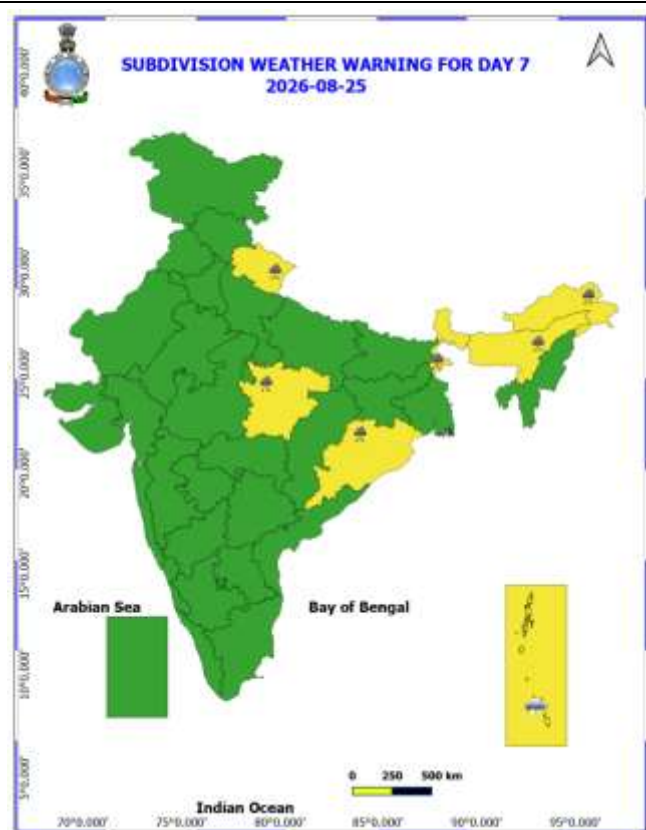
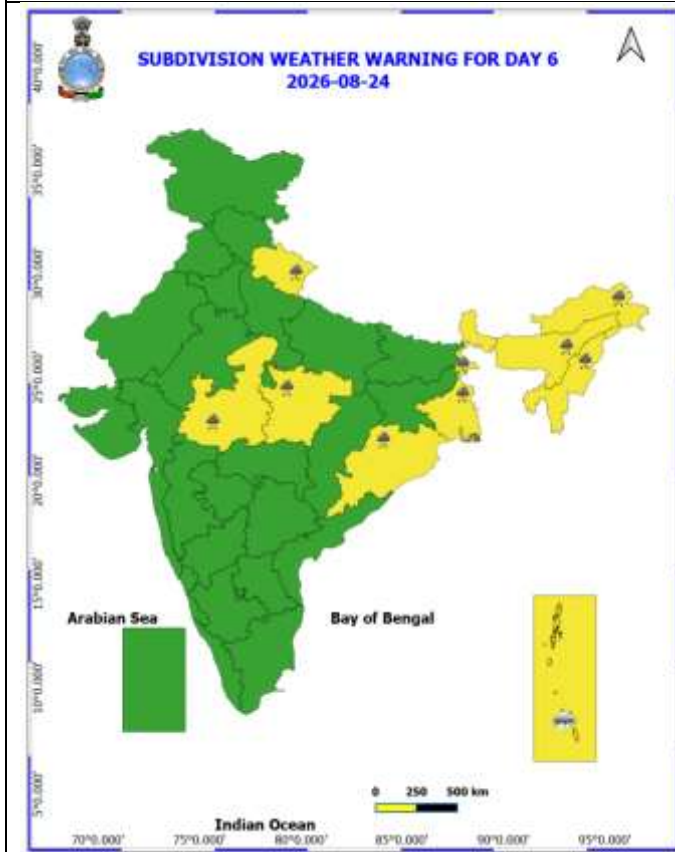
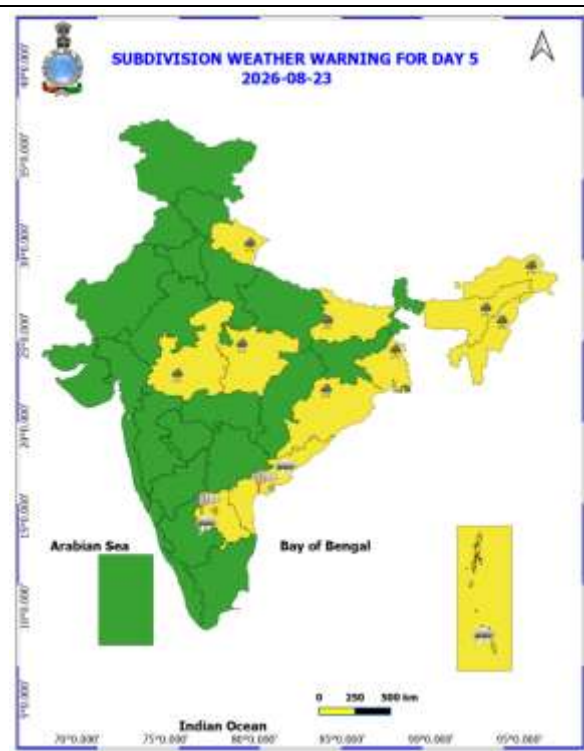
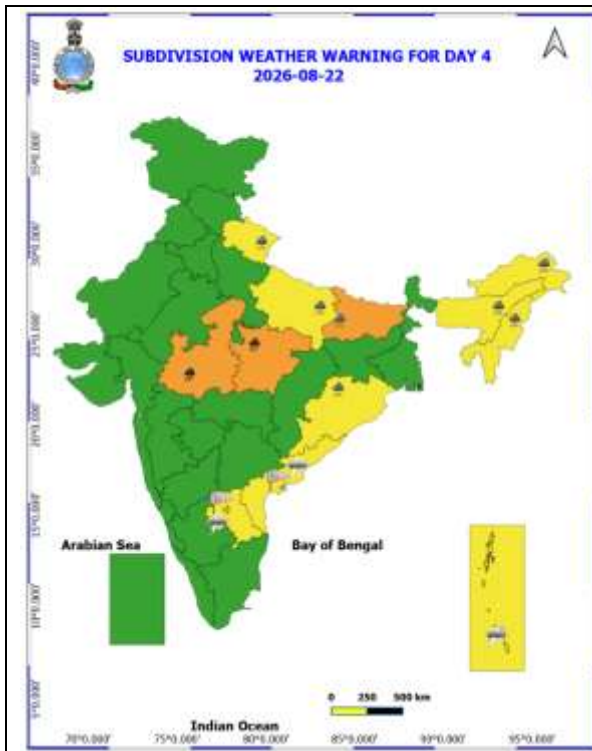
- ❖ छत्तीसगढ़: बलरामपुर 29
- ❖ हिमाचल प्रदेश: सुजानपुर टीरा 16
- ❖ झारखंड: चंदवा डीवीसी (लातेहार) 16
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश: प्रतापगढ़ 13
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: देवसेर (सिंगरौली) 13
- ❖ जम्मू-कश्मीर: जम्मू 9, कठुआ 8
- ❖ उत्तराखंड: कालसी (AWS) 8, कोटद्वार 8
- ❖ बिहार: हिलसा (नालंदा) 8
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: महाबलेश्वर (सतारा) 7
- ❖ असम: लहरीघाट 10

अनुलग्नक I

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	19- Aug	20- Aug	21- Aug	22- Aug	23- Aug	24- Aug	25- Aug
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
7	ODISHA	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
8	JHARKHAND	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
9	BIHAR	SCT	ISOL	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
11	WEST UTTAR PRADESH	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	SCT	SCT
12	UTTARAKHAND	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
14	PUNJAB	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
15	HIMACHAL PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL
17	WEST RAJASTHAN	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
20	EAST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
21	GUJRAT REGION	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
22	SAURASHTRA & KUTCH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
23	KONKAN & GOA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
24	MADHYA MAHARASHTRA	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT
25	MARATHWADA	SCT	FWS	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS	SCT	SCT
27	CHHATTISGARH	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

19 अगस्त से 22 अगस्त 2026 के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम का पूर्वानुमान

पिछले मौसम का हाल:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 34-35°C और न्यूनतम तापमान 23-27°C के बीच रहा। कुछ जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। कुछ जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहे और पश्चिम दिशा से 20 किमी/घंटा की गति से सतही हवा चली। आज सुबह के समय भी इस इलाके में पश्चिम दिशा से 20 किमी/घंटा तक की गति से सतही हवा चलने और आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है।

मौसम का पूर्वानुमान:

19.08.2026: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दोपहर से शाम के दौरान कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश हो सकती है। रात के समय भी कुछ जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश होने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 32-34°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में कई जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा, जबकि कुछ जगहों पर यह सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से सतही हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति दोपहर के समय 15 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर पश्चिम दिशा से 12 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

20.08.2026: आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के बीच कई जगहों पर हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश हो सकती है। शाम से रात के समय भी बहुत हल्की से हल्की बारिश होने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32°C से 34°C और 26°C से 28°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा, और अधिकतम तापमान कई जगहों पर सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा, जबकि दिल्ली में कुछ जगहों पर यह सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने की संभावना है और सुबह के समय इसकी गति 10 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति बढ़कर उत्तर दिशा से 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति बढ़कर दक्षिण-पूर्व दिशा से 20 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

21.08.2026: आम तौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के बीच कुछ जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32°C से 34°C और 25°C से 27°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा, और अधिकतम तापमान कई जगहों पर सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा, जबकि दिल्ली में कुछ जगहों पर यह सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने की संभावना है और सुबह के समय इसकी गति 15 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 18 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर दक्षिण दिशा से 12 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

22.08.2026: आम तौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के बीच कुछ जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 31°C से 33°C और न्यूनतम तापमान 25°C से 27°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से दक्षिण-पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 15 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय दक्षिण-पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा की गति बढ़कर 18 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने वाली हवा की गति कम होकर 12 किमी/घंटा तक रह जाएगी।

बहुत भारी बारिश के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 19 अगस्त को पूर्वी मध्य प्रदेश में कुछ जगहों पर बहुत ज्यादा बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 19 अगस्त को पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र और उत्तर प्रदेश में कुछ जगहों पर बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 22 अगस्त को बिहार में मध्यम से लेकर तेज़ बिजली कड़कने की गतिविधि हो सकती है।

संभावित असर:

- ❖ पेड़ों की टहनियां टूट सकती हैं और केले, पपीते व सहजन जैसे छोटे पेड़ उखड़ सकते हैं। तेज़ हवा और बारिश से बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ❖ तेज़ हवा और बारिश के कारण कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कच्चे घरों/दीवारों, झोपड़ियों और सड़कों को मामूली नुकसान हो सकता है।
- ❖ हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।
- ❖ छोटी नावें, ट्रॉलर और अन्य नौकाएं प्रभावित हो सकती हैं।
- ❖ भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो सकता है।
- ❖ निचले इलाकों में कहीं-कहीं भूस्खलन, कीचड़ का बहाव, ज़मीन खिसकने, जलभराव और बाढ़ की स्थिति बन सकती है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता (visibility) कम हो सकती है।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

सुझाए गए उपाय:

- ❖ लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नज़र रखें और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- ❖ सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें, क्योंकि बिजली गिर सकती है।
- ❖ बिजली गिरने की आशंका होने पर, बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें, तुरंत जलाशयों से बाहर निकल आएँ और बिजली के सुचालक पदार्थों से दूर रहें।
- ❖ पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों को नियंत्रित किया जाए।
- ❖ तटीय और समुद्र में होने वाली गतिविधियों को समझदारी से नियंत्रित किया जाए।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाओं को नियंत्रित किया जाए।

भारी बारिश के संभावित असर के लिए कृषि मौसम परामर्श

- ❖ जम्मू-कश्मीर में, मक्का, दालों और सब्जियों के खेतों में पानी की निकासी का अच्छा इंतज़ाम करें और निचले इलाकों में पानी जमा न होने दें। बेल वाली सब्जियों (जैसे कद्दू, खीरा, लौकी) के पौधों को सही सहारा दें और खेतों से अतिरिक्त पानी तुरंत निकाल दें।
- ❖ हिमाचल प्रदेश में, अदरक और हल्दी के खेतों में पानी की निकासी की नालियों को साफ़ और चालू रखें और मक्का के खेतों से बारिश का अतिरिक्त पानी तुरंत निकालें। जहाँ खेत की हालत ठीक हो, वहाँ खीरा, लौकी, करेला, चिचिंडा, तोरई और नेनुआ की तैयार फ़सल की कटाई करें और कटी हुई उपज को सुरक्षित जगह पर रखें।
- ❖ झारखंड में, मक्का, अरहर और दूसरी खड़ी फ़सलों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम रखें और बारिश का अतिरिक्त पानी तुरंत निकालें। जिन इलाकों में मिट्टी में बहुत ज्यादा नमी है, वहाँ अरहर की बुवाई टाल दें और गीली हालत में खाद डालने या पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम न करें।
- ❖ पश्चिम मध्य प्रदेश में, सोयाबीन, मक्का, कपास, गन्ना और सब्जियों के खेतों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम रखें और बारिश का अतिरिक्त पानी तुरंत निकालें। सब्जियों और लंबी फ़सलों को सहारा दें ताकि वे गिरें नहीं और खरीफ़ की सब्जियों की बुवाई तब तक टाल दें जब तक अतिरिक्त पानी निकल न जाए और खेत की हालत बुवाई के लायक न हो जाए।
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश में, सोयाबीन, मक्का, धान और सब्जियों के खेतों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें ताकि पानी जमा न हो। ज्यादा नमी वाले खेतों में खेती के काम, खाद डालना और पौधों की सुरक्षा के उपाय टाल दें और सब्जियों व लंबी फ़सलों को सहारा दें ताकि वे गिरें नहीं।

- ❖ छत्तीसगढ़ में, धान, मक्का, मूंगफली, छोटे मोटे अनाज और दालों के खेतों से पानी की निकासी का अच्छा इंतज़ाम करें। निचले इलाकों में धान की नई रोपाई टाल दें, बेल वाली सब्जियों को सहारा दें और उड़द की रुकी हुई बुवाई तभी करें जब अतिरिक्त पानी निकल जाए और मिट्टी की हालत ठीक हो।
- ❖ ओडिशा में, खरीफ़ धान, मक्का, दालों, कपास, अरहर, केला, सब्जियों के खेतों और नर्सरी की क्यारियों से अतिरिक्त पानी की लगातार और अच्छी निकासी सुनिश्चित करें। खेतों की नालियों, आउटलेट और मेड़ों को साफ़ और चालू रखें। पानी जमा होने वाले इलाकों में बुवाई/दोबारा बुवाई और रोपाई के काम टाल दें और बाजरे के खेतों में पानी जमा न होने दें। बेल वाली सब्जियों, केले, पपीते और बागवानी के छोटे पौधों को सहारा दें।
- ❖ पंजाब में, खड़ी फ़सलों वाले खेतों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम रखें और निचले इलाकों से बारिश का अतिरिक्त पानी तुरंत निकालें। गीली हालत में सिंचाई, खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम न करें और बागवानी व सब्जियों की छोटी फ़सलों को गिरने से बचाने के लिए सहारा दें। □ हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में, खड़ी फसल वाले खेतों में पानी की निकासी का अच्छा इंतज़ाम करें और निचले इलाकों से बारिश का अतिरिक्त पानी तुरंत निकाल दें। गीले मौसम में सिंचाई, खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम न करें और खेतों में पानी की निकासी वाली नालियों को साफ़ रखें।
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश में, धान, अरहर, दालों, तिलहन और सब्जियों के खेतों, खासकर निचले इलाकों से अतिरिक्त पानी निकाल दें। बैंगन, मिर्च और अगेती फूलगोभी की नर्सरी तैयार करने का काम जारी रखें; साथ ही कद्दू-वर्गीय फ़सलों (जैसे लौकी, तोरई) और भिंडी की बुवाई तभी करें जब खेत की स्थिति इसके अनुकूल हो।
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश में, धान और अन्य खड़ी फ़सलों वाले खेतों में पानी की निकासी का अच्छा इंतज़ाम रखें और निचले इलाकों से अतिरिक्त पानी तुरंत निकाल दें। बैंगन, मिर्च और अगेती फूलगोभी की नर्सरी तैयार करने का काम जारी रखें; साथ ही कद्दू-वर्गीय फ़सलों और भिंडी की बुवाई तभी करें जब खेत की स्थिति इसके अनुकूल हो।
- ❖ बिहार में, धान, मक्का, दालों और अन्य खड़ी फ़सलों वाले खेतों, खासकर निचले इलाकों से बारिश का अतिरिक्त पानी निकालने का सही इंतज़ाम करें। गीले मौसम में खाद और कीटनाशक डालने का काम टाल दें; साथ ही धान की रोपाई, मिर्च की बुवाई और केले व जिमीकंद (ओल) की रोपाई तभी करें जब खेत की स्थिति इसके अनुकूल हो।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में, मक्का, रागी (फिंगर मिलेट), सोयाबीन, लोबिया, सब्जियों के खेतों और बागों में पानी जमा होने से रोकने के लिए पानी की निकासी का सही इंतज़ाम रखें।
- ❖ असम और मेघालय में, धान, गन्ना, सोयाबीन, अरहर, जूट, तिल और सब्जियों के खेतों व बागों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम रखें और खेतों की नालियों को साफ़ रखें। निचले खेतों से अतिरिक्त पानी तुरंत निकाल दें और गन्ने के खेतों में पानी जमा न होने दें। मेघालय में, मक्का, लोबिया, भिंडी और अदरक के खेतों में पानी की निकासी का इंतज़ाम करें और अतिरिक्त पानी निकाल दें।
- ❖ नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा में, धान, सोयाबीन, उड़द, अदरक, हल्दी, गोभी-वर्गीय फ़सलों और सब्जियों के खेतों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम रखें और पानी जमा न होने दें। गीले मौसम में खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम टाल दें और जिन फ़सलों को सहारे की ज़रूरत हो, उन्हें सहारा (स्टेकिंग) दें।

तूफ़ान / तेज़ हवाओं के संभावित असर के लिए कृषि मौसम परामर्श

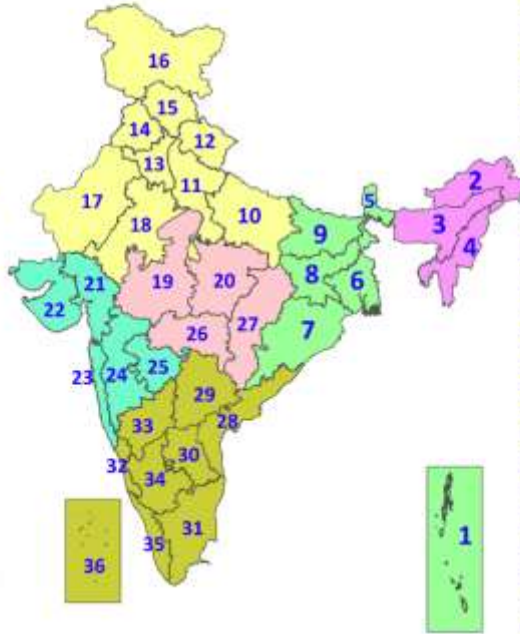
- ❖ काटी गई उपज को सुरक्षित जगहों पर ले जाएं या उपज को खेतों में तिरपाल शीट से ढक दें। कटी हुई फसलों को मज़बूती से बांधें और ढक दें ताकि तेज़ हवाओं से उनके हिलने का खतरा कम हो।
- ❖ बागवानी वाली फसलों को मैकेनिकल सपोर्ट दें और सब्जियों और छोटे फलों वाले पौधों / फल देने वाले पौधों को तेज़ हवाओं से गिरने से बचाने के लिए सहारा दें।

पशुधन / मुर्गी पालन / मछली पालन

- ❖ भारी बारिश के दौरान जानवरों को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित चारा दें।
- ❖ चारा और चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित जगह पर रखें।
- ❖ तालाबों के चारों ओर सही जाल लगाकर एक आउटलेट बनाएं ताकि ज़्यादा पानी निकल जाए, जिससे ओवरफ्लो होने पर मछलियां बाहर न निकल सकें।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)



Fog



Heavy Rain



Very Heavy Rain



Extremely Heavy Rain



Thunder & Lightning



Hailstorm



Dust Raising Winds



Heavy Snow



Dust Storm



Heat Wave



Warm Night



Hot Day



Hot & Humid



Strong Surface Winds



Cold Wave



Cold Day



Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".

Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.

For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599

(Service to the Nation since 1875)

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm *
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
(a) Based on Departure from normal
Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .
Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$
(b). Based on Actual maximum temperature
Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$.
Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$
(c). Criteria for heat wave for coastal stations
When maximum temperature departure is $> 4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C
Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .
Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^{\circ}\text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions.
(a). Based on departure
Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .
Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$
(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)
Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$
Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$
(c) For Coastal Stations
When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
Based on departure
Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .
Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$
Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres
Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres
Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground
Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.
Moderate: Wind speed 52-61 kmph
Severe: Wind speed 62-87 kmph
Very Severe: Wind speed > 87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area
Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre
High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre
Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)
Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)
Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots)
Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)
Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)